

राणा प्रताप सागर पन वदियुतगृह

चर्चा में क्यों?

29 दसिंबर, 2021 को राजस्थान के राणा प्रताप सागर पन वदियुत गृह की 43 मेगावाट क्षमता की इकाई संख्या 1 को सकिरोनाइज कर पुनः वदियुत उत्पादन शुरू कर दया गया। पूरण क्षमता से संचालति होने पर इस इकाई से परतदिनि 10.32 लाख यूनिट वदियुत उत्पादन कया जायेगा।

प्रमुख बदि

- गौरतलब है किराजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों की साझा चंबल घाटी परयोजना के अंतर्गत वर्ष 1968 में चंबल नदी पर बने राज्य के राणा प्रताप सागर बांध पर स्थापति 172 मेगावाट (43 मेगावाट की 4 यूनिट) क्षमता के पन बजिलीघर का उदघाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदरिा गांधी द्वारा कया गया था। वर्ष 1968 में स्थापना के पश्चात् इस बजिलीघर से 2,365 करोड़ रुपए यूनिट की सबसे सस्ती एवं हरति वदियुत ऊर्जा का उत्पादन कया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है किरा चंबल नदी में 14 सतिंबर, 2019 को उत्पन्न हुई भीषण जल वभीषकिा में पन बजिलीघर की चारों इकाइयाँ पूरण रूप से जलमग्न हो गई थी। 51 वर्ष पुरानी इन इकाइयों से पुनः वदियुत उत्पादन हेतु पुनरुद्धार योजना प्रस्तावति की गई थी, जिसमें 5-6 वर्षों तक इकाइयों के बंद रहने का अनुमान बताया गया था।
- राजस्थान वदियुत उत्पादन नगिम के अध्यक्ष एवं प्रबंध नदिशक आर.के. शर्मा ने इस उपलब्धि पर कहा किरनगिम के कुशल अभयिताओं की देखरेख एवं अनवरत मेहनत के कारण ही इस इकाई से पुनः वदियुत उत्पादन शुरू कया गया है। उन्होंने शीघ्र ही चतुर्थ इकाई को भी अतशीघ्र पुनःसंचालन करने के नरिदेश दये।